भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

ल खत प्रश्न सं. 624

गुरूवार, 21 जुलाई, 2022/30 आषाढ़, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में दार्जि लंग पहा ड़यों का वकास

624. श्रीमती शांता क्षत्रीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार की दार्जि लंग की पहा ड़यों की अनूठी प्राकृतिक सुंदरता और हिमालयी रेल को यूनेस्को की वैश्विक धरोहर स्थल घो षत कये जाने के कारण इन्हें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में वक सत करने पर वचार कर रही है;

(ख) क्या सरकार 'स्वदेश दर्शन योजना' में दार्जि लंग की पहा ड़यों को शा मल करने पर वचार करेगी; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय पश्चिम बंगाल सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के वकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों/केंद्रीय एजें सयों को 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक वरासत संवर्धन अ भयान संबंधी राष्ट्रीय मशन (प्रशाद) ' और केंद्रीय एजें सयों को सहायता योजनाओं के अंतर्गत वत्तीय सहायता प्रदान करता है। उपरोक्त योजनाओं के तहत वकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजें सयों के परामर्श से की जाती है और नि धयों की उपलब्धता, उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई नि धयों की उपयो गता आदि की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने अब पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार गंतव्यों के वकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है। एसडी 2.0 के तहत दार्जि लंग के वकास हेतु अभी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

****